आभार

भगवान महाकाल पुण्य सरिता क्षिप्रा उज्जैयिनी में किसे अच्छा नहीं लगता जो यहां आता है वह यहां के परिवेश में रम जाता है। माँ सरस्वती एवं महाकाल बाबा की कृपा से श्री कृष्ण की पावन विधा भूमि पर अध्ययन करने का सुअवसर प्राप्त हुआ हनुमंतकृपा एवं अंजनी माता के आर्शीवाद से मुझे विक्रम विश्वविद्यालय में पी.एच.डी करने का अवसर मिला। मार्गदर्शन एवं सहयोग के अभाव में किसी भी कार्य को पूर्ण करना कठिन होता है किन्तु मेरा सौभाग्य है कि मुझे ऐसी परिस्थिति से नहीं गुजरना पड़ा आज मेरा यह शोध प्रबंध पूरा हो गया है। इस मंजिल तक पहुँचने में जिनका सहयोग रहा है। उनके प्रति आभार एवं कृतज्ञता ज्ञापित करना मैं अपना प्रथम कर्त्तव्य समझती हूँ।

वास्तव में बिना गुरू के ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता किसी कार्य को सफल बनाने के लिए हमें गुरू की जरूरत होती है। ऐसे ही सदगुणों से अलंकृत सरल सहज स्वभाव के धनी, परमपूज्यनीय माता तुल्य मेरे प्रस्तुत शोध प्रबंध की निर्देशिका डॉ. गिरिजा निगम के श्रद्धा सुमन कमलरूपी चरणों में मेरा शत्–शत् नमन इस शोध कार्य में प्रारंभ से अंत तक विद्वता एवं वात्सल्य पूर्ण मार्गदर्शन सदैव इन्हीं से प्राप्त रहा इन्होंने मुझे निरंतर अध्यवसाय लगन और निष्ठापूर्वक प्रेरित करने का गुरूत्तर दायित्व न निभाया होता तो इस शोध कार्य को इस रूप में प्रस्तुत करना मेरे लिये सर्वथा असम्भव ही था।

मैं हृदय से आभारी हूँ, सरल सोम्य सहज स्वाभाव के धनी परमपूज्यनीय पिता तुल्य डॉ. जगदीश कुमार निगम की इनके प्रचुर धैर्य अमूल्य सहायता सूक्ष्म दृष्टि और विलक्षण मार्गदर्शन से ही में यह कार्य कर सकी हूँ।

मैं आभारी हूँ विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा जी का जिन्होंने मुझे प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग व आर्शीवाद दिया मैं सहृदय से आभारी हूँ सरल, सौम्य, एवं ममतामयी आर्चाय डॉ. निशा वशिष्ठ जी का जिन्होंने मेरे इस शोध प्रबंध को पूर्ण कराने में सहयोग प्रदान किया मैं उनकी आजीवन ऋणी रहूँगी इसी के साथ में अपने शोध प्रबंध में सहयोग हेतु परमपूज्यनीय आचार्य दीपिका गुप्ता जी का सहृदय से आभारी हूँ। जिनके मातृत्व तुल्य स्नेह एवं आर्शीवाद से मेरा शोध प्रबंध कार्य पूर्ण हो सका मैं सदैव उनकी आभारी रहूँगी।

मैं आभारी हूँ विभाग के समस्त गुरूजनों का जिनमें डॉ. नलिन सिंह पवार, डॉ. यतिन्द्र सिंह सिसौदिया (सामाजिक शोध संस्थान उज्जैन) डॉ. वीरेन्द्र चावरे, डॉ.

मेघा पाण्डेय, डॉ. महेन्द्र सिंह यादव, कन्हैया मीणा, जितेन्द्र शर्मा का जिन्होंने अपने बहुमूल्य समय निकालकर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया, अतः मैं इनकी हृदय से आभारी रहूँगी।

मैं शोध प्रबंध को पूर्ण करने के लिए राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला के लिपिक श्री भरत बंसल, श्री सत्यप्रकाश गुप्ता जी का एवं विभाग में कार्यरत समस्त व्यक्तियों की सहृदय से आभारी हूँ।

मैं आभारी हूँ आदर्श इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड साइंस कॉलेज, धामनोद के डायरेक्टर डॉ. आर. के. पाटीदार की जिन्होंने मुझे इस कार्य को करने में सहयोग प्रदान किया एवं मैं आभारी हूँ मेरे साथी सहायक प्राध्यापक सुश्री शितिका बरकले, श्री अखिलेश कानूनगो, श्रीमति चंद्रकांता बडोले की जिन्होंने मुझे इस कार्य में यथा संभव सहयोग दिया।

मैं आभारी हूँ श्री सुरेन्द्र पटवा पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री मध्यप्रदेश शासन, डॉ. ध्वनि शर्मा राष्ट्रीय सचिव भारतीय युवा मोर्चा, दिल्ली की जिन्होंने मुझे सहयोग दिया।

मैं आभारी हूँ श्री उमेश शर्मा कार्यपालक निर्देशक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, भोपाल, श्री राघवेन्द्र गौतम उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, भोपाल, श्री दरियाव सिंह सूर्यवंशी टास्क मैनेजर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, भोपाल, श्री अमित शाह संभाग समन्वयक इन्दौर संभाग मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, भोपाल, श्री जगदीश पटेल जिला समन्वयक खरगोन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, भोपाल की जिन्होंने मुझे सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

मैं आभारी हूँ श्री मनोरंजन मिश्रा उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश, श्री भालचंद्र जोशी अध्यक्ष साधना परमार्थी ट्रस्ट मण्डलेश्वर, श्रीमति प्रेरणा कोल्हटकर निदेशिका सुर चैतन्य कला केन्द्र मण्डलेश्वर, सुश्री भारती ठाकूर सचिव निमाड़ अभ्युदय रूरल डेवलपमेंट एण्ड मैनेजमेंट ऐसोशिएसन लेपा, श्रीमति साधना स्ट्रायबल कल्याणी संस्था कठीवाड़ा, अलीराजपुर की जिन्होंने मुझे सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

मेरे पति डॉ. शैलेन्द्र शर्मा प्राचार्य आदर्श इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड साइंस कॉलेज, धामनोद इनकी प्रेरणा और सहयोग के बिना यह कार्य संभव ही नहीं था। उनके प्रेरित करने के कारण ही मैं शोध कार्य करने हेतु स्वयं को तैयार कर सकी ईश्वर से यही प्रार्थना करती हूँ कि हमारा स्नेह सदा बना रहे एवं उनके

प्रति अजीवन सहृदय कृतज्ञ रहूँगी। मैं आभारी हूँ बेटे समीष शर्मा एवं बिटिया अवनी शर्मा जिनके धैर्य के कारण मैं यह कार्य को पूर्ण कर पाई हूँ।

अपने दोनों परिवार ससुराल पक्ष श्री भगवान दास शर्मा, मनोरमा शर्मा एवं मातृपक्ष श्री सुदंर लाल शर्मा, रेखा शर्मा की आभारी हूँ जिनके आर्शीवाद से यह शोध ग्रंथ परिपूर्ण हो पाया है।

मैं आभाार हूँ श्री उमेश वैष्णव, ममता वैष्णव, अनुज निर्वाणी, निधि निर्वाणी, महंत डॉ. हरिहर रसिक, श्री हर्ष शर्मा जिनका मुझे इस शोध कार्य को पूर्ण करने में स्नेह एवं सहयोग मिला।

मैं अक्षर संयोजन के लिए राजू मालवीय की हृदय से आभारी हूँ। अंत मैं आभारी हूँ उन सभी की जिन्होंने मुझे जाने अंजाने मार्गदर्शन एवं समर्थन प्रदान कर शोध कार्य पूर्ण करने में अपना अमूल्य समय एवं सहयोग प्रदान किया।

शोधार्थी

मनीषा शर्मा

संकेत तालिका सूची

तालिका क्रमांक	तालिका का नाम	पृष्ठ संख्या
2.01	पश्चिम निमाड़ जिले की भौगोलिक स्थिति	29
4.01	राज्य में स्वास्थ्य सेवाएँ	92
4.02	अनुसूचित जाति–जनजाति के विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति	128
4.03	अनु. जाति–जनजाति के विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति की दर	130
4.04	अनु. जाति–जनजाति के विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित छात्रवृत्ति	132
4.06	पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना	142
4.07	सिविल सेवा परीक्षाओं में स्वीकृत प्रोत्साहन राशि	148
7.01	उत्तरदाताओं की आयु की संरचना	233
7.02	उत्तरदाताओं का लिंग	236
7.03	उत्तरदाताओं की वैवाहिक स्थिति	238
7.04	उत्तरदाताओं की शैक्षणिक स्थिति	240
7.05	लिंगानुसार शैक्षणिक स्तर	242
7.06	उत्तरदाताओं के व्यवसाय की स्थिति	245
7.07	परिवारों में सदस्यों की संख्या	247
7.08	परिवारों की प्रकृति	249

7.09	शासन की योजनायें एवं ज्ञान के संबंध में	250
7.10	सरकार द्वारा प्रदत्त विभिन्न योजनाओं की जानकारी	252
7.11	मुख्यमंत्री कन्यादान योजना कार्यक्रम	255
7.12	इन्दिरा आवास योजना	257
7.13	जननी शिशु सुरक्षा योजना	259
7.14	दीनदयाल अन्त्योदय उपचार योजना कार्यक्रम	261
7.15	रानी दुर्गावती अनुसूचित जाति/जनजाति स्वरोजगार योजना	263
7.16	डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना	265
7.17	निःशुल्क पाठ्य पुस्तक योजना	267
7.18	सुपर 100 योजना	269
7.19	तकनीकी शिक्षा कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना	271
7.20	विद्यार्थी कल्याण योजना/कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना, उत्कृष्ठ छात्रवास योजना/प्रतिष्ठित पब्लिक एवं सेनिक स्कूल में प्रवेश योजना	273
7.21	प्रतिष्ठा पूर्नवास योजना/लाड़ली लक्ष्मी योजना, मंगल दिवस योजना/प्रसव पश्चात् प्रोत्साहन योजना	275
7.22	स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना/एकिकृत आवास एवं मलीन बस्ती विकास योजना, जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन/राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना	277

7.23	मंगल दिवस योजना/प्रसव पश्चात् प्रोत्साहन योजना	279
7.24	ग्रामीणों को निस्तार सुविधाएं एवं कुटीर एवं ग्रामोद्योग	282
7.25	आप मतदान करते हैं?	284
7.26	किन अवसरों पर मतदान करते है?	286
7.27	मतदान करने हेतु प्रेरणा देने वाले	288
7.28	शासन की योजना के फलस्वरूप सुविधाएँ	290
7.29	घोषणा पत्र का क्रियान्वयन	292
7.30	मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना	294
7.31	मर्यादा अभियान	296

प्राक्कथन

विकास की अवधारणा को एक स्पष्ट रूप देने का एक तरीका राष्ट्र की प्रगति को इसके सबसे निम्न या गरीब तबके अर्थात अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की प्रगति के संदर्भ में मापना है ताकि जनसंख्या के अंतिम पक्ति तक के व्यक्ति की प्रगति हो सके तथा अंतिम पंक्ति (निचले हिस्से) की प्रति व्यक्ति आय को मापा जा सके और इसकी आय की वृद्धि दर को आंका जा सके। निर्धन तन हिस्से से जुड़े उपायों जैसे विभिन्न कल्याणकारी सरकार योजना का सही तरीके से क्रियान्वयन हमारी आर्थिक सफलता एवं विकास की धारा में सभी का साथ सभी का विकास सफलता का मूल्याकंन किया जा सकता है।

भारत के उच्च विकास को हासिल करने का प्रयास नीतिगत एवं विश्लेषणात्मक एवं सही दिशा में कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही संभव है। यह सुनिश्चित करने के लिए ऐसी नीति एवं योजना पर कार्य एवं चिंतन होना चाहिए जिससे सबसे कमजोर वर्ग अर्थात अंतिम पंक्ति के हर व्यक्ति का विकास योजनाओं से लाभान्वित हो सके।

मध्यप्रदेश भारत का हृदय प्रदेश है जिसमें भारत की अनेकता में एकता समाहित है। आज भी भारत के 69 वर्ष आजादी के पश्चात् भी कई गांवों में मूलभूत आवश्यकता की कमी है। आजादी के पश्चात् देश में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ बनाई जिससे कुछ हद तक विकास तो नजर आता है किंतु कहीं न कहीं प्रशासन शासन की नीतिगत रणनीति में याजनाओं के सही तरीके से क्रियान्वयन के अभाव लालफीता शाही, शिक्षा का अभाव, काम न करने की प्रवृत्ति से आज भी हमारे गावं एवं आदिवासी क्षेत्र विकास एवं उन्नति की बाट जौ रहे है। कुछ ऐसी रणनीति, दिशा–निर्देश व सख्ती की जानी चाहिए जिससे योजना सफल हो सके।

प्रस्तुत शोध प्रबंध में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार और प्रदत्त योजनाओं का क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर चिंतन, मनन, अध्ययन, विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है।

वर्तमान सामाजिक एवं आर्थिक ढांचा उसे सफलता से जीवन व्यतित करने की समझ अधिकार का अवसर प्रदान नहीं करता है। परिणामस्वरूप सभी नागरिकों को समान न्याय एवं समान लाभ नहीं मिल पाता है। जबकि कल्याणकारी राज्य में सभी व्यक्तियों को समान लाभ मिलना चाहिए। किंतु विडम्बना यह है कि विकास की नीति निर्धारण एवं क्रियान्वयन में समानता न होने के कारण समान विकास एवं उन्नति से अंतिम पंक्ति का व्यक्ति वंचित है।

अध्ययन खरगोन जिले पर किया गया है क्योंकि खरगोन जिला आदिवासी जिला होने के साथ–साथ आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं शिक्षा के स्तर पर भी कमजोर है। अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण सुदूर क्षेत्र में निवास करती है। शोधार्थी का ग्रामीण क्षेत्र से वास्ता होना और ग्रामीण जनता के प्रति भेदभाव पूर्ण रवैया एवं सुविधाओं का लाभ सही तरीके से प्राप्त न होना और विकास की धारा में ग्रामीण का पिछड़ा होना, उनको मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित की स्थिती एवं सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का सही लाभ प्राप्त न होने की स्थिति ने अपना ध्यान ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र की जनता के सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं के लाभ की स्थिति को जानने के लिए आकृष्ट किया जिससे ग्रामीण आदिवासी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो उन्हें सरकार द्वारा प्रदत्त योजनओं की सही जानकारी प्राप्त हो ग्रामीण हो आदिवासी क्षेत्र में कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को प्राप्त हो सके। कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन एवं लाभ विषय काफी व्यापक है और विषय क्षेत्र एवं कार्य क्षेत्र भी व्यापक है। जिसके अंतर्गत व्यक्ति समुदाय शासन प्रशासन एवं जनता के प्रतिनिधि की भूमिका आदि सभी आये हैं। सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं को मात्र रेखांकित एवं सूचीबद्ध कर यह अपेक्षा नहीं की जा सकती है कि योजनाओं का क्रियान्वयन एवं लाभ सभी को समान रूप

से प्राप्त हो। इन सिद्धांतों को स्थानीय स्तर पर शासन प्रशासन, जनता एवं जनप्रतिनिधियों को अपनी भूमिका उचित रूप से तय करनी होगी जिससे सभी व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिल सके जिससे प्रत्येक व्यक्ति देश की विकास धारा से जुड़ें।

शोध कार्य में मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार एवं मुख्यमंत्री द्वारा प्रदत्त योजनाओं के क्रियान्वयन का विश्लेषण के विभिन्न पहलुओं और मुद्दों पर गंभीर चिंतन किया गया है जिससे समस्या की जड़ तक पहुंचने में आसानी होगी और समस्या को निपटाने में सरलता रहेगी। कल्याणकारी योजनाएँ सरकार द्वारा प्रदत्त की जा रही है किंतु उसका सही उपयोग एवं उपभोग, हितग्राहियों के लाभ पूर्ण रूप से मिल सके। यह एक महत्वपूर्ण चुनौती एवं पहलू है।

आवश्यकता यहां मानव के अधिकारों की भी है मानव के सम्पूर्ण इतिहास को हम देखे तो यह पता चलता है कि मानव जीवन उसके विकास एवं समानता के अधिकार एवं उससे उन्नयन की दिशा में हमेशा उपेक्षा की गई और उसके विकास की सही दिशा को हमेशा अवरूद्ध करने का प्रयास एवं उच्च तबके द्वारा निम्न तबकों का तिरस्कार किया गया है। आज देश में यह विडम्बना है कि जहां एक ओर हम 21 वीं सदी के भारत की बात करते है और हम कहते है कि हम विकसित भारत की संतान है, किंतु अभी भी जमीन स्तर पर ग्रामीण आदिवासी अपनी दो जून की रोटी के लिए संघर्षरत् है। जब उसके पास पेट भरने के लिए दो जून की रोटी नहीं तो शिक्षा एवं अन्य सुविधा तो उसके लिए व्यर्थ है। सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं के क्रियान्वयन एवं वास्तविक स्थिति पर एक विचार एवं चिंतन है जिस पर मेरा शोध कार्य महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित हो सकता है।

शोध प्रबंधन के अध्ययन के लिए विभिन्न प्रकार के संमकों का विश्लेषण करने के लिए विभिन्न सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध प्रबंध अध्ययन के लिए शोधार्थी द्वारा प्राथमिक एवं द्वितीयक संमकों का संकलन किया गया है। प्राथमिक संमकों के संकलन हेतु शोधार्थी द्वारा साक्षात्कार एवं

अवलोकन का प्रयोग किया गया है। द्वितीय संमकों के संकलन के लिए विभिन्न शासकीय विभाग के पत्र–पत्रिकाओं, रिर्पोट, संदर्भ ग्रंथों एवं विषय से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों सामान्यतः पत्रों आदि का प्रयोग किया गया है तथा आवश्यकतानुसार चित्रों का प्रयोग करके शोध प्रबंध के विषय को स्पष्ट किया गया है।

प्रस्तुत शोध पत्र "मध्यप्रदेश के भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन का विश्लेषणात्मक अध्ययन" शीर्षक पर पूर्ण हो रहा है। शोध प्रबंधन की सुविधा तथा निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु शोधार्थी ने शोध प्रबंध को 8 अध्यायों में विभक्त किया है।

प्रथम अध्याय – मध्यप्रदेश सामान्य परिचय में इतिहास, शिक्षा, कला–कौशल, सिंचाई योजना, वनोपज, खनिज संपत्ति छत्तीसगढ़ निर्माण जलवायु, जलसंसाधन, कृषि इत्यादि का उल्लेख किया है।

द्वितीय अध्याय – सत्ता परिवर्तन के प्रमुख कारण प्रशासनिक एवं नीतिगत मध्यप्रदेश राज्य विकास परिषद मध्यप्रदेश सरकार ही नीतियाँ एवं कार्यक्रम इत्यादि का उल्लेख किया गया है।

तृतीय अध्याय – इस अध्याय में शोध प्रविधि एवं अध्ययन क्षेत्र का परिचय का स्पष्ट एवं संक्षिप्त में विवरण प्रस्तुत किया गया है।

चतुर्थ अध्याय – मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार – मुख्यमंत्री द्वारा प्रदत्त योजनाओं को सविस्तार वर्णन किया गया है।

पंचम् अध्याय – के अंतर्गत विधानसभा निर्वाचन एवं भाजपा सरकार के प्रमुख मुद्दे, घोषणा–पत्र मुख्यमंत्री स्वतंत्र योजना कारक एवं मुख्यमंत्री द्वारा घोषित योजनाओं का वर्णन किया गया है।

षष्ठम् अध्याय – के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी का कार्यकाल मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की भूमिका, कार्यप्रणाली, सफलता का ग्राफ, सरकार एवं प्रशासन का वर्णन किया गया है।

सप्तम् अध्याय – में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का खरगोन जिले में सर्वे एवं विश्लेषण का विस्तृत रूप से वर्णन किया गया है।

अष्ठम् अध्याय – उपसंहार दिया गया है।

नवम् अध्याय – में सुझाव एवं निष्कर्ष का वर्णन है।

शोधार्थी
श्रीमति मनीषा शर्मा
सहायक प्राध्यापक
राजनीति विज्ञान